ECONOMICS TIMES N.D 17/8/18

वॉल्यूम ग्रोथ, रुपये में गिरावट से महंगा बना रहेगा बालकृष्ण

आशुतोष श्याम | ईटीआईजी

बालकृष्ण इंडस्ट्रीज के शेयर प्रीमियम वैल्यूएशन पर मिल रहे हैं। कंपनी ऑफहाइवे टायर (ओएचटी) बनाती है, जिनका इस्तेमाल एग्रीकल्चर इक्विपमेंट और माइनिंग में होता है। कंपनी के शेयरों का आगे भी प्रीमियम वैल्यूएशन बना रह सकता है। बालकृष्ण इंडस्ट्रीज ने इस वित्त वर्ष में प्रॉडक्शन में बढ़ोतरी का अनुमान दिया है। वहीं, रुपये में गिरावट के चलते कंपनी को टायरों की अधिक कीमत भी मिलने की उम्मीद है। बालकृष्ण 85 पर्सेंट आमदनी विदेश से हासिल करती है। वह उन बाजारों में रिप्लेसमेंट के लिए ओएचटी की सप्लाई करती है। इसलिए रुपये में गिरावट से कंपनी के मुनाफे में बढ़ोतरी होगी।

कंपनी ने जून क्वॉर्टर के रिजल्ट के बाद वित्त वर्ष 2019 में 2,25,000-2,30,000 टन का वॉल्यूम गाइडेंस दिया है। पहले उसने 2,20,000 टन का गाइडेंस दिया था। कंपनी के हाल के वॉल्यूम गाइडेंस से उसकी वॉल्यूम ग्रोथ 12-15 पर्सेंट रहने का अनुमान लगाया जा रहा है। जून तिमाही में कंपनी की वॉल्यूम ग्रोथ 23 पर्सेंट रही। इसका मतलब यह है कि अगर कंपनी आने वाली तीन तिमाहियों में यही ग्रोथ बरकरार रखती है तो वह वॉल्यूम गाइडेंस हासिल कर लेगी।

अमेरिका, यूरोप और लोकल मार्केट में कंपनी की वॉल्यूम ग्रोथ क्रमशः 64 पर्सेंट, 11 पर्सेंट और 30 पर्सेंट जून क्वॉर्टर में रही। एग्रीकल्चर सेगमेंट में वॉल्यूम में 21 पर्सेंट की बढ़ोतरी हुई, जिसमें यूरोपियन ऑटो कंपनियों की बड़ी भूमिका रही। माइनिंग जैसे इंडस्ट्रिल इस्तेमाल वाले ऑफ रोड टायर्स (ओटीआर) की वॉल्यूम ग्रोथ जून तिमाही में 29 पर्सेंट रही।

कंपनी के हायर साइज वाले माइनिंग टायरों को विदेशी बाजारों में बढ़िया रिस्पॉन्स मिला है। ओएचटी सेगमेंट में मिशलिन, टाइटन इंटरनेशनल और ट्रेलेबॉर्ग जैसी ग्लोबल कंपनियों की रेवेन्यू ग्रोथ से भी मांग मजबूत रहने का संकेत मिलता है। पिछली चार तिमाहियों में बालकृष्ण की रेवेन्यू ग्रोथ ग्लोबल कंपनियों से अधिक रही है। इससे पता चलता है कि कंपनी के मार्केट शेयर में बढ़ोतरी हो रही है।

वित्त वर्ष 2019 और 2020 में मार्केट एनालिस्ट कंपनी की वॉल्यूम ग्रोथ 15 पर्सेंट रहने का अनुमान लगा रहे हैं। ग्लोबल ओएचटी सेगमेंट में रिकवरी को देखते हुए यह मुमकिन लग रहा है। ओएचटी की मजबूत डिमांड के साथ कंपनी को रुपये की वैल्यू में गिरावट से भी फायदा होगा। जून तिमाही में कंपनी की वॉल्यूम ग्रोथ 23पर्सेंट रही, जबकि नेट रियलाइजेशन सालाना आधार पर 12.9 पर्सेंट बढ़कर 249 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया। नेट रियलाइजेशन में बढ़ोतरी रुपये में गिरावट और बेहतर प्रॉडक्ट्स की वजह से हुई है। इससे कंपनी का ऑपरेटिंग मार्जिन जून तिमाही में बढ़कर 29.1 पर्सेंट हो गया। यह सालाना आधार पर 5 पर्सेंट की बढ़ोतरी है।

मार्केट एनालिस्ट अगले दो साल में कंपनी का ऑपरेटिंग मार्जिन 30 पर्सेंट रहने का अनुमान लगा रहे हैं। इस वित्त वर्ष के आखिर तक कार्बन ब्लैक प्लांट के पहले फेज के पूरा होने से इसके मार्जिन को मजबूती मिलेगी। टायर कंपनियों के लिए यह कच्चा माल है। इससे बालकृष्ण के ऑपरेटिंग मार्जिन में और 1-1.5 पर्सेंट की बढ़ोतरी हो सकती है। कंपनी के शेयरों में वन ईयर फॉरवर्ड अर्निंग के 20 गुना पर ट्रेडिंग हो रही है। यह भारतीय ऑटो कंपनियों के वैल्यूएशन के मुताबिक और हिस्टोरिकल वैल्यूएशन से 18 पर्सेंट अधिक है।